₹5

RNI No. JHAHIN/2014/63781
https://epaper.rashtrasamvad.com
www.rashtrasamvad.com

राष्ट्र संवाद

वर्ष 10, अंक : 56, 06 अक्टूबर से 12 अक्टूबर 2025, जमशेदपुर

आपका राष्ट्र, आपका संवाद : साप्ताहिक समाचार पत्र

पश्चिम बंगाल में मौसम का कहर

दार्जिलिंग में बारिश-भूस्खलन से तबाही, पुल बहा, 20 की मौत

पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग जिले में शनिवार को मूसलधार बारिश के कारण कई स्थानों पर भूस्खलन हुए, जिसमें कम-से-कम 20 लोगों की मौत हो गयी और दर्जनों अन्य लापता हो गये हैं. भारी बारिश के चलते कई मकान जमींदोज हो गये, सड़कें ध्वस्त हो गयीं, पुल बह गये और दूरदराज के गांवों का संपर्क पूरी तरह टूट गया है. दार्जिलिंग उप-मंडल अधिकारी रिचर्ड लेप्चा ने बताया कि राहत और बचाव कार्य तेजी से चल रहा है. एनडीआरएफ, पुलिस और प्रशासन की टीमें प्रभावित इलाकों में जुटी हैं. मिरिक, नागराकाटा, सरसली और धार गांव जैसे क्षेत्रों में सबसे अधिक नुकसान हुआ है. केवल 12 घंटों में 300 मिमी से अधिक बारिश हुई है. मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने घटना पर दुख जताया है. वह सोमवार को उत्तर बंगाल का दौरा करेंगी. उन्होंने पीड़ित परिवारों को मुआवजा और एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की बात कही. हालांकि राशि का उल्लेख नहीं किया. आइएमडी का रेड अलर्ट : भारत मौसम विज्ञान विभाग ने दार्जिलिंग और कलिम्पोंग में छह अक्टूबर तक 'रेड अलर्ट' जारी किया है. विभाग ने चेतावनी दी है कि और भूस्खलन हो सकते हैं.

दर्जनों लोग हुए लापता, हजारों पर्यटक फंसे

उत्तरी बंगाल में मंडराया बाढ़ का खतरा इंटरनेट बंद, दार्जिलिंग से कटा सिक्किम

लगातार हो रही बारिश ने उत्तर बंगाल में तबाही मचा दी है. दार्जिलिंग जिले के मिरिक और सुखिया पोखरी में हुए भीषण भूस्खलन में कम से कम 20 लोगों की मौत हो गयी है. प्रशासन के अनुसार राहत और बचाव अभियान जारी है और मृतकों की संख्या बढ़ सकती है. लगातार बारिश और मलबे के कारण दार्जिलिंग-सिलीगुड़ी के बीच मुख्य सड़क मार्ग बंद हो गया है, जबकि सिक्किम से सड़क संपर्क भी टूट चुका है. भारी बारिश ने जलपाईगुड़ी, सिलीगुड़ी और कूचबिहार जिलों में जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है. कई इलाकों में पानी भर गया है और बिजली-संचार सेवाएं प्रभावित हुई हैं. दार्जिलिंग और आसपास के हिल स्टेशनों में बड़ी संख्या में पर्यटक फंसे हुए हैं. प्रशासन ने सेना और आपदा प्रबंधन दल की मदद से राहत कार्य तेज कर दिया है. इस बीच भूटान के अधिकारियों ने चेतावनी जारी की है कि वांगचू नदी का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर बह रहा है. यदि बारिश जारी रही, तो इसका पानी जलपाईगुड़ी और कूचबिहार के निचले इलाकों में प्रवेश कर सकता है, जिससे बाढ़ का खतरा बढ़ गया है. भूटान ने पश्चिम बंगाल सरकार से किसी भी आपात स्थिति के लिए तैयार रहने को कहा है. मौसम विभाग ने अगले 48 घंटों के लिए भारी बारिश की चेतावनी दी है. राज्य सरकार ने सभी प्रभावित जिलों में राहत शिविरों और मेडिकल टीमों की तैनाती की है. लगातार हो रही बारिश और भूस्खलन ने पहाड़ और मैदान दोनों इलाकों में लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं.

सीएम ने जताया दुख

पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने घटना पर दुख जताते हुए एक्स पर लिखा कि मैं बहुत चिंतित हूं कि अचानक उत्तर बंगाल और दक्षिण बंगाल दोनों के कई इलाके बाढ़ में डूब गये हैं. साथ ही बाहर से हमारे राज्य में अत्यधिक नदी का पानी आ गया है. **टोल फ्री नंबर जारी** : सीएम ने बताया कि कृपया मेरे आपदा प्रबंधन नियंत्रण कक्ष से 91 33 2214 3526 और 91 33 2253 5185 पर संपर्क करें, जबकि टोल फ्री नं 91 86979 81070 और 1070 हैं.

टॉय ट्रेन सेवाएं स्थगित

भारी बारिश और भूस्खलन के कारण, गोरखालैंड प्रादेशिक प्रशासन (जीटीए) ने दार्जिलिंग के टाइगर हिल और रॉक गार्डन सहित पर्यटन स्थलों को बंद करने का फैसला किया है. दार्जिलिंग टॉय ट्रेन सेवाएं भी स्थगित कर दी गयी हैं. अधिकारी निवासियों और यात्रियों से सावधानी बरतने और सड़क व मौसम की स्थिति पर अपडेट रहने का आग्रह कर रहे हैं. राज्य के विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने भी गंभीर चिंता जतायी है .

नेपाल में भारी बारिश से भूस्खलन, 51 की मौत

काठमांडू. नेपाल में दो दिन हुई लगातार बारिश के कारण उत्पन्न बाढ़ और भूस्खलन से अब तक 51 लोगों की मौत हो चुकी है. नेपाल पुलिस द्वारा जारी ताजा जानकारी के अनुसार, रविवार दोपहर साढ़े एक बजे तक एकत्र किये गये विवरण के मुताबिक देशभर में 51 लोगों की जान गयी है और 20 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं. सबसे ज्यादा जनहानि कोशी प्रदेश में हुई है. केवल इलाम जिले में ही 37 लोगों की मौत हुई है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नेपाल में हुई इस तबाही पर दुख जाहिर किया है. उन्होंने पड़ोसी देश को हर संभव मदद का भरोसा दिलाया है.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उपराष्ट्रपति ने जताया शोक

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दार्जिलिंग की घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया. उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, 'दार्जिलिंग में भारी बारिश और भूस्खलन से जानमाल के नुकसान से दुखी हूं. जिन परिवारों ने अपनों को खोया है, उनके प्रति मेरी संवेदनाएं हैं. घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं. सरकार स्थिति पर नजर रखे हुए है और हरसंभव सहायता प्रदान करेगी.' वहीं, उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने दार्जिलिंग में लोगों की मौत होने पर शोक व्यक्त किया है.

40 से ज्यादा लोगों को बचाया गया

बारिश और भूस्खलन के बाद हजारों की संख्या में पर्यटक दार्जिलिंग और आसपास के क्षेत्रों में फंसे हुए हैं. मुख्यमंत्री ने पर्यटकों से आग्रह किया है कि वे घबराएं नहीं और जहां हैं, वहीं सुरक्षित रहें. सरकार उनकी सुरक्षित वापसी की व्यवस्था कर रही है. इस बीच मिरिक-सुखियापोखरी मार्ग सहित कई सड़कें अवरुद्ध हो गई हैं. नागराकाटा के धार गांव में मलबे से 40 से ज्यादा लोगों को बचाया गया है. इलाके की ढलान और फिसलन के कारण राहत कार्य में कठिनाई हो रही है.

आबार एशो मां

शहरवासियों ने ढोल-नगाड़ों की थाप पर थिरकते हुए मां को किया विदा

नम आंखों से दी मां को विदाई

बारिश के मौसम के बावजूद पूर्वी सिंहभूम जिला में विजयादशमी पर शहरी व ग्रामीण क्षेत्र की 447 दुर्गा प्रतिमाओं का विसर्जन गुरुवार को किया गया. सबसे ज्यादा 125 प्रतिमाओं का विसर्जन साकची सुवर्णरेखा घाट पर हुआ. जिला में 420 पूजा समितियां लाइसेंसी और 28 गैर लाइसेंस प्राप्त हैं. काशीडीह स्थित दुर्गा पूजा समिति की प्रतिमा का शुक्रवार को विसर्जन किया गया. गुरुवार को प्रतिमाओं के विसर्जन के दौरान बेहतर तालमेल और प्रशासनिक व्यवस्था देखने को मिली. शहर के सभी प्रमुख विसर्जन घाट पर जिला प्रशासन की ओर से हाइड्रा की व्यवस्था की गयी थी, जिनके कारण मां दुर्गा की प्रतिमाओं का विसर्जन कम समय में और बेहतर तरीके से किया गया. वहीं, जिला प्रशासन और जमशेदपुर दुर्गा पूजा केंद्रीय समिति ने सभी पूजा कमेटियों के साथ बेहतर तालमेल के साथ काम किया. जिसके कारण सभी क्षेत्र से प्रतिमाओं के निकलने की सूचना कंट्रोल रूम को तुरंत प्रदान की जा रही थी. भारी बारिश में भी श्रद्धालुओं की आपार भीड़ साकची गोलचक्कर से लेकर विभिन्न घाटों पर लगी रही. इस बार नदी में पानी का बहाव अधिक था, इस कारण ट्रक से लायी गया प्रतिमाओं को फीता बांधकर हाइड्रा के जरिये उठाकर नदी के अंदर लेकर पांच परिक्रमा के साथ विसर्जित किया गया. जब तक एक पूजा समिति की मूर्तियां विसर्जित होतीं, उनके वाहनों को सड़क पर जाने को कहा जा रहा था. वहीं, प्रतिमा लेकर आये दूसरी पूजा समिति के वाहनों को घाट के पास लाकर तैयार स्थिति में खड़ा रहने का निर्देश दिया जा रहा था. पूर्व में जब हाइड्रा की व्यवस्था नहीं थी, तो पूजा कमेटियों के लोग भारी मूर्तियों को वाहन से उतार कर कई स्टॉपेज के बाद नदी में प्रवाह के लिए ले जाते थे. ऐसा करने के दौरान पूर्व में कुछ दुर्घटनाएं भी हो चुकी थीं. दूसरी ओर, नदी में बढ़े जलस्तर को देखते हुए घाटों पर जिला प्रशासन ने गोताखोरों की भी व्यवस्था की थी.

हाइड्रा और गोताखोरों की मदद से प्रशासन ने कराया सुरक्षित विसर्जन

जमशेदपुर में महादशमी पर सिंदूर खेला भक्तों ने मां दुर्गा को दी भावभीनी विदाई

जमशेदपुर में शारदीय नवरात्रि की महादशमी पर श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला। नौ दिनों तक मां दुर्गा की विधिवत पूजा-अर्चना के बाद दशमी तिथि पर महिलाओं ने परंपरागत सिंदूर खेला कर देवी को भावभीनी विदाई दी। परंपरा के अनुसार, जिस प्रकार बेटी को विदा करने से पहले उसका श्रृंगार किया जाता है, उसी तरह मां दुर्गा की प्रतिमा पर सिंदूर अर्पित कर भक्त अपनी भावनाएं व्यक्त करते हैं। सुहागिन महिलाओं ने मां को सिंदूर चढ़ाकर अखंड सौभाग्य, परिवार की समृद्धि और जीवन में सुख-शांति की प्रार्थना की। शहर के विभिन्न पंडालों और मंदिरों में बड़ी संख्या में श्रद्धालु एकत्र हुए। महिलाओं ने प्रतिमा पर सिंदूर चढ़ाने के बाद एक-दूसरे को भी सिंदूर लगाकर उत्सव का आनंद लिया। इस दौरान वातावरण पूरी तरह आस्था, उल्लास और भक्ति से सराबोर रहा। महादशमी का यह उत्सव केवल धार्मिक नहीं, बल्कि सामाजिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण माना जाता है। यह महिलाओं के बीच आपसी स्नेह, सौहार्द और एकता को मजबूत करता है। सिंदूर खेला में शामिल होकर महिलाएं न केवल अपने सौभाग्य और पति के दीर्घायु की कामना करती हैं, बल्कि समाज की खुशहाली और कल्याण की भी प्रार्थना करती हैं। पूजा और सिंदूर खेला के उपरांत भक्तों ने भावुक होकर मां को विदा किया और अगले वर्ष फिर उसी श्रद्धा और उत्साह के साथ देवी के आगमन की प्रतीक्षा करने का संकल्प लिया। इस प्रकार महादशमी का यह पर्व आस्था, परंपरा और आनंद का सुंदर संगम प्रस्तुत करता है।

देवानंद सिंह

बिहार विधानसभा चुनाव में मुस्लिम वोटरों का रुझान क्या होगा, यह अहम सवाल ?

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 की बिसात बिछ चुकी है। इस बार चुनावी मुकाबले का सबसे अहम प्रश्न यही है कि मुस्लिम वोटर किस ओर जाएंगे। दरअसल, बिहार की राजनीति में मुस्लिम वोट हमेशा निर्णायक भूमिका निभाते रहे हैं। राजद का पुराना एम-वाई (मुस्लिम-यादव) समीकरण हो, कांग्रेस का परंपरागत वोट बैंक हो, या फिर हाल में एआईएमआईएम और जनसुराज की सक्रियता – हर पार्टी के लिए मुस्लिम मतदाताओं की नब्ज समझना अनिवार्य हो चुका है, लेकिन इस बार का चुनाव सामान्य चुनाव नहीं है। यह चुनाव एक बड़े विवाद वक्फ बोर्ड संशोधन कानून की परछाईं में हो रहा है। यही वजह है कि मुस्लिम वोटर इस बार सिर्फ रोज़मर्रा की राजनीति नहीं, बल्कि अपने धार्मिक और सामाजिक अस्तित्व से जुड़े सवालों को लेकर मतदान करेंगे।

केंद्रीय मंत्री और जेडीयू सांसद ललन सिंह ने संसद में साफ कहा था कि वक्फ बोर्ड संशोधन कानून मुस्लिम विरोधी नहीं है। उनके मुताबिक वक्फ ट्रस्ट कोई धार्मिक संस्था नहीं बल्कि एक प्रशासनिक ढांचा है, और इसका उद्देश्य सभी वर्गों में न्याय सुनिश्चित करना है। ललन सिंह का तर्क था कि इस कानून से वक्फ संपत्तियों पर अवैध कब्जे हटेंगे और आम मुसलमानों को फायदा होगा। उन्होंने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि 2013 में उसने वक्फ बोर्ड को लेकर ऐसा पाप किया, जिसे अब मोदी सरकार ने सुधार दिया है, लेकिन सवाल यही है कि मुस्लिम समाज इस दलील को कितना स्वीकार करता है? जमीन पर देखने से साफ होता है कि वक्फ संशोधन कानून के खिलाफ कई मुस्लिम संगठन खड़े हुए। जेडीयू के मुस्लिम नेता भी इस पर पार्टी लाइन के खिलाफ बयान देने लगे। नीतीश कुमार की चुप्पी को मुस्लिम समाज ने खटकते हुए नोट किया। नतीजा यह हुआ कि जेडीयू पर आरएसएस से नजदीकी बढ़ाने का आरोप लगने लगा।

2020 के विधानसभा चुनाव में जेडीयू ने मुस्लिम समाज को साधने की कोशिश की थी। 11 मुस्लिम उम्मीदवारों को टिकट दिए गए, लेकिन नतीजा? सभी 11 हार गए। यानी टिकट तो मिले लेकिन मुस्लिम वोट ट्रांसफर नहीं हुआ। मुस्लिम वोटरों ने NDA पर विश्वास जताने से परहेज़ किया और इसका परिणाम यह हुआ कि जेडीयू अपने ही मुस्लिम कार्ड में फेल हो गई। उस समय उर्दू अखबारों के संपादकों ने जेडीयू नेताओं को साफ कहा था कि जब तक बीजेपी के साथ रहेंगे, मुस्लिमों का भरोसा नहीं मिलेगा। यही स्थिति आज 2025 में और भी गहरी हो चुकी है। वजह यह है कि इस बार वक्फ संशोधन कानून, घुसपैठिया विमर्श और आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत की लगातार बिहार यात्राओं ने मुस्लिम वोटरों की संवेदनशीलता को और अधिक जगा दिया है।

2020 के बाद से मुस्लिम समाज में तीन मुद्दों पर असंतोष गहराया। पहला, सत्ता पक्ष में एक भी मुस्लिम विधायक का न होना। दूसरा, बीजेपी का सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरना, और बिहार में आरएसएस की सक्रियता और सीमांचल में 'घुसपैठिया' विमर्श का फैलना।

ये तीनों वजहें मिलकर मुस्लिमों के लिए राजनीतिक उपेक्षा का प्रतीक बन गईं। यही कारण है कि इस बार मुस्लिम वोटरों की नाराज़गी का लाभ सीधे तौर पर विपक्षी खेमे को मिल सकता है। राजद का एम-वाई समीकरण लालू यादव की राजनीति का आधार रहा है। लेकिन 2010 के बाद यह समीकरण कमजोर हुआ। 2015 में महागठबंधन की सफलता और 2020 में तेजस्वी यादव की लोकप्रियता ने इसे फिर से मजबूत किया, लेकिन 2025 का चुनाव अलग है। इस बार कमान खुद लालू यादव ने संभाली है। उनकी राजनीतिक सक्रियता ने मुस्लिम समाज को एक भरोसा दिया है कि राजद अब भी वही है जो पहले मुस्लिमों का सबसे बड़ा राजनीतिक सहारा रहा है। वक्फ संशोधन कानून और घुसपैठिया विमर्श ने मुस्लिम वोटरों को राजद की ओर और भी धकेला है। राजद के लिए यह दोहरा लाभ है, यादवों का परंपरागत समर्थन और मुस्लिमों की वापसी। यही वजह है कि 2025 में MY समीकरण सबसे अधिक संगठित रूप में दिख रहा है। एआईएमआईएम ने 2020 में सीमांचल में पांच सीटें जीतकर सबको चौंकाया था। ओवैसी ने मुस्लिमों को यह संदेश दिया कि वे अपनी अलग राजनीतिक ताकत बन सकते हैं, लेकिन समस्या यह है कि एआईएमआईएम को अक्सर बीजेपी की बी-टीम कहा जाता रहा। यही टैग मुस्लिम वोटरों को सोचने पर मजबूर करता है। इस बार एआईएमआईएम ने राजद से गठबंधन की कोशिश की लेकिन राजद ने इनकार कर दिया। अब ओवैसी अकेले मैदान में उतरेंगे या किसी छोटे दल के साथ गठबंधन करेंगे – यह अभी तय नहीं है। लेकिन इतना साफ है कि अकेले लड़ने पर उन्हें सीमांचल में कुछ सीटें मिल सकती हैं, मगर पूरे बिहार में उनकी पकड़ कमजोर रहेगी। मुस्लिम वोटरों का बड़ा हिस्सा इस बार एआईएमआईएम की बजाय राजद के साथ जाना चाहता है।

प्रशांत किशोर की जनसुराज पार्टी ने 75 मुस्लिम उम्मीदवार उतारने का ऐलान किया है। यह एक बड़ा राजनीतिक प्रयोग हो सकता है। लेकिन सवाल यही है कि क्या मुस्लिम वोटर प्रशांत किशोर के साथ खड़े होंगे? अभी तक मुस्लिम समाज में जनसुराज को लेकर कोई ठोस लहर नहीं दिखती। पीके का संगठन गांव-गांव काम कर रहा है, लेकिन मुस्लिम वोटर उन्हें एक भरोसेमंद विकल्प के रूप में कितनी जल्दी स्वीकार करेंगे – यह चुनाव का सबसे बड़ा सवाल है। तेज प्रताप यादव का अलग तेवर भी इस चुनाव में चर्चा में है। लेकिन वास्तविकता यह है कि मुस्लिम वोटर तेजस्वी और लालू यादव की राजनीति से अधिक प्रभावित हैं। तेज प्रताप का व्यक्तिगत करिश्मा मुस्लिम वोटों को आकर्षित करने में सक्षम नहीं दिखता। बीजेपी इस बार भी अपने "सबका साथ, सबका विकास" फॉर्मूले पर चुनाव में उतरेगी। लेकिन सवाल यही है कि क्या मुस्लिम समाज इस नारे पर भरोसा करेगा? 2014, 2019 और 2020 के अनुभव बताते हैं कि मुस्लिम वोटरों ने बीजेपी से दूरी बनाए रखी। वक्फ संशोधन कानून और घुसपैठिया विमर्श ने इस दूरी को और गहरा कर दिया है।

बीजेपी मुस्लिम वोट बैंक में सेंध लगाने की कोशिश जरूर करेगी, लेकिन वास्तविकता यही है कि बिहार में उसका आधार हिंदुत्व और विकास की राजनीति पर है, न कि मुस्लिम समर्थन पर। महागठबंधन की रणनीति साफ है – मुस्लिम वोटरों को पूरी तरह अपने पक्ष में करना। राजद, कांग्रेस और वाम दल इस मुद्दे पर एकजुट हैं। वक्फ संशोधन कानून का विरोध कर वे मुस्लिमों को यह संदेश देना चाहते हैं कि एनडीए मुस्लिम विरोधी है और महागठबंधन ही उनका असली राजनीतिक आश्रय है।बिहार की लगभग 35-40 विधानसभा सीटें ऐसी हैं जहां मुस्लिम वोट निर्णायक भूमिका निभाते हैं।

"जलते पुतले-बढ़ते रावण दशहरे का बदलता अर्थ"

डॉ सत्यवान सौरभ

दशहरे पर रावण के पुतले जलाना केवल परंपरा नहीं, बल्कि बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। लेकिन आज पुतले केवल मनोरंजन बनकर रह गए हैं, जबकि समाज में अहंकार, हिंसा, वासना और अन्य बुराइयाँ लगातार बढ़ रही हैं। असली रावण हमारे भीतर और समाज में मौजूद हैं। यही समय है कि हम अपने मन के रावणों की पहचान करें, उन्हें त्यागें और समाज से अपराध, छल-कपट और अन्य अधर्म को मिटाने का संकल्प लें। तभी दशहरा वास्तव में विजयादशमी बन सकता है।

हर साल जब दशहरे की शाम को रावण के विशाल पुतले धू-धू कर जलते हैं, तो दर्शकों की आँखों में उत्सव का रोमांच दिखाई देता है। पटाखों की गड़गड़ाहट, आतिशबाज़ी की चमक और भीड़ का शोर इस पर्व को एक रंगीन उत्सव में बदल देता है। लेकिन सवाल यह है कि क्या इस पूरे आयोजन का संदेश—बुराई पर अच्छाई की जीत—हमारे जीवन और समाज में कहीं उतर पाता है?

आज दशहरा एक मनोरंजन का ट्रेंड बनकर रह गया है। लोग पुतले जलाते हैं, फोटो और वीडियो बनाते हैं, सोशल मीडिया पर साझा करते हैं। लेकिन यह सोचने का समय शायद ही निकालते हैं कि यह रावण दहन केवल परंपरा निभाने के लिए नहीं, बल्कि हमें आत्ममंथन और सामाजिक सुधार का अवसर देने के लिए शुरू हुआ था।

रामायण की कथा में रावण केवल एक पात्र नहीं था, बल्कि वह उन बुराइयों का प्रतीक था जो इंसान को पतन की ओर ले जाती हैं—अहंकार, वासना, छल, क्रोध और अधर्म। रावण जैसा महाज्ञानी, शिवभक्त और शूरवीर भी अपनी एक गलती—वासना और अहंकार—के कारण विनाश को प्राप्त हुआ। दशहरा हमें यही याद दिलाने आता है कि यदि बुराई चाहे कितनी ही शक्तिशाली क्यों न हो, अंततः उसका नाश निश्चित है।

लेकिन आज दशहरे का स्वरूप बदल चुका है। अब रावण दहन व्यावसायिक और दिखावटी उत्सव में बदल गया है। हर साल पुतले और बड़े बनाए जाते हैं, पटाखों पर लाखों रुपये खर्च किए जाते हैं। रिपोर्टें बताती हैं कि पिछले कुछ वर्षों में रावण पुतलों की संख्या कई गुना बढ़ी है, पर समाज में अपराध और बुराइयों का ग्राफ घटने की बजाय बढ़ा ही है।

आज के दौर में रावण केवल पुतलों तक सीमित नहीं है। वह हमारे बीच, हमारे आस-पास, हमारे भीतर मौजूद है। समाज में अपराध, बलात्कार, हत्या, दहेज हिंसा, रिश्वतखोरी, भ्रष्टाचार और नशे की लत जैसी घटनाएँ लगातार बढ़ रही हैं। रिश्तों का पतन भी चिंता का विषय है—मां-बाप, भाई-बहन, यहाँ तक कि बच्चों तक की हत्या की खबरें आए दिन सामने आती हैं। आज का इंसान ज्यादा पढ़ा-लिखा और आधुनिक है, लेकिन बुराइयाँ भी उतनी ही तेज़ी से पनप रही हैं।

विडंबना यह है कि जिस रावण को हम हर साल जलाते हैं, वह अकेला था। विद्वान था, नीतिज्ञ था, अपने परिवार और राज्य के प्रति कर्तव्यनिष्ठ था। उसकी एक गलती उसे विनाश की ओर ले गई। लेकिन आज का रावण—यानी आज का अपराधी और बुराई का प्रतीक—उससे कहीं अधिक क्रूर, धूर्त और निर्लज्ज है।

दशहरे का पर्व हमें यह याद दिलाने के लिए है कि बुराइयाँ कितनी भी ताकतवर क्यों न हों, उन्हें मिटाना ही होगा। लेकिन केवल पुतले जलाने से बुराइयाँ खत्म नहीं होंगी। हमें यह समझना होगा कि आज का रावण बाहर ही नहीं, भीतर भी है। हर इंसान के भीतर अहंकार, क्रोध, वासना, ईर्ष्या और लालच जैसे रावण मौजूद हैं। जब तक इनका दहन नहीं होगा, तब तक समाज में शांति और न्याय संभव नहीं।

पुतला जलाने के साथ हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि हम अपने जीवन से कम-से-कम एक बुराई को अवश्य दूर करेंगे। दशहरे का संदेश तभी सार्थक होगा जब समाज सामूहिक रूप से भ्रष्टाचार, हिंसा, नशाखोरी, दहेज और महिला शोषण जैसी बुराइयों के खिलाफ खड़ा होगा।

आज के दौर का सबसे बड़ा संकट यह है कि समाज बुराइयों के प्रति संवेदनहीन होता जा रहा है। हर दिन अख़बारों में दुष्कर्म, हत्या और भ्रष्टाचार की खबरें छपती हैं, लेकिन हम उन्हें सामान्य मानकर टाल देते हैं। पुतला जलाने के बाद हम चैन से घर लौट आते हैं, मानो बुराई का अंत हो चुका हो। हकीकत यह है कि आज के रावण सर्वव्यापी हैं। वे महलों में भी रहते हैं और झोपड़ियों में भी। वे पढ़े-लिखे भी हैं और अशिक्षित भी। वे राजनीति, व्यापार, शिक्षा और समाज के हर क्षेत्र में फैले हुए हैं।

राम केवल एक ऐतिहासिक या धार्मिक पात्र नहीं, बल्कि आदर्श और मूल्यों का प्रतीक हैं। राम का अर्थ है धर्म का पालन। राम का अर्थ है सत्य और न्याय के लिए संघर्ष। राम का अर्थ है मर्यादा और कर्तव्यनिष्ठा। लेकिन आज का समाज राम के गुणों को अपनाने के बजाय केवल राम के नाम का राजनीतिक और धार्मिक उपयोग कर रहा है। परिणाम यह है कि रावण जलते तो हैं, पर मन के रावण और समाज के रावण और अधिक शक्तिशाली होकर खड़े हो जाते हैं।

दशहरा हमें अवसर देता है कि हम रुककर सोचें—क्या हम अपने भीतर के रावण को पहचान पा रहे हैं? क्या हम अपने जीवन से एक भी बुराई कम कर पाए हैं? क्या हम समाज को बेहतर बनाने के लिए कोई ठोस कदम उठा रहे हैं? यदि इन सवालों का जवाब "नहीं" है, तो हमें स्वीकार करना होगा कि रावण दहन केवल एक परंपरा बनकर रह गया है।

सबसे बड़ी ज़रूरत यह है कि हम केवल पुतले जलाने की रस्म न निभाएँ, बल्कि अपने भीतर और समाज में मौजूद रावणों को पहचानें और उनका संहार करने का साहस दिखाएँ। तभी दशहरा एक सच्चे अर्थ में विजयादशमी बन पाएगा। जब-जब हम अपने भीतर के अहंकार, वासना और लोभ को परास्त करेंगे, तब-तब हमारे भीतर का राम जीवित होगा। और तभी हम कह सकेंगे कि रावण सचमुच मरा है।

गांधी और गांधी विचार को कुचलने की कुचेष्टाएं कब तक ?

ललित गर्ग

लंदन के प्रसिद्ध टैविस्टॉक स्क्वायर में महात्मा गांधी की 57 साल पुरानी कांस्य की प्रतिमा पर हुआ हमला केवल एक मूर्ति को क्षतिग्रस्त करने की घटना भर नहीं है, बल्कि यह गांधी के अस्तित्व, उनके विचार और भारत की आत्मा पर आघात है। गांधी प्रतिमा के साथ छेड़छाड़ करते हुए काले रंग से लिखा है, 'गांधी- मोदी, हिंदुस्तानी टेररिस्ट।' वहां एक तिरंगे का भी अपमान किया गया है और उसपर भी 'टेररिस्ट' लिखा हुआ है। जिस समय यह हमला हुआ, वह भी बेहद प्रतीकात्मक है, अंतरराष्ट्रीय गांधी जयंती यानी अहिंसा दिवस से महज तीन दिन पहले। यह समय का ऐसा चयन है जो यह दर्शाता है कि अहिंसा के विचार और गांधी के व्यक्तित्व को मिटाने की एक सुनियोजित विकृत मानसिकता एवं साजिश है। गांधी की प्रतिमा महज धातु का ढांचा नहीं, बल्कि उन मूल्यों का जीवंत प्रतीक है जिन्होंने न केवल भारत बल्कि पूरी दुनिया को नई दृष्टि दी, नई दिशा दी एवं शांतिपूर्ण अहिंसक जीवनशैली दी है। इस पर आघात करना इस बात का प्रमाण है कि हिंसा की प्रवृत्तियां, आतंक की मानसिकता एवं नफरत-द्वेष की विध्वंक शक्तियां अब भी गांधी के विचारों से डरती हैं और उसे क्षत-विक्षत एवं ध्वस्त करने के षडयंत्र रचती रहती है, पर महात्मा गांधी भारत के अकेले ऐसे महापुरुष हैं जिन्हें कोई गोली या गाली नहीं मार सकती। गांधी की राजनीति व धर्म का आधार सत्ता नहीं, सेवा था, वसुधैव कुटुम्बकम् था। जनता को भयमुक्त व वास्तविक आजादी दिलाना उनका लक्ष्य था। वे सम्पूर्ण मानवता की अमर धरोहर हैं। उन्होंने दुनिया को अहिंसा का सूत्र देकर शांतिपूर्ण विश्व-संरचना की। दलितों के उद्धार और उनकी प्रतिष्ठा के लिए उन्होंने अपना पूरा जीवन लगा दिया था। उनके जीवन की विशेषता कथनी और करनी में अंतर नहीं होना था।

महात्मा गांधी की प्रतिमा पर अज्ञात लोगों ने जो हमला किया और आपत्तिजनक नारे लिखे। भारतीय उच्चायोग ने इसे अहिंसा की विरासत पर हमला बताया। मेट्रोपॉलिटन पुलिस जांच में जुटी है। ब्रिटेन की उच्चायुक्त लिंडी कैमरन ने घटना को दुखद बताते हुए कहा कि गांधी की शिक्षाएं हमें सदा एकजुट करती रहेंगी। गांधी के व्यक्तित्व एवं विचारों को आहत करने की यह घटना केवल ब्रिटेन के अस्तित्व एवं अस्मिता तक सीमित नहीं रहती, बल्कि भारत की गरिमा और उसकी सांस्कृतिक उपस्थिति को भी चुनौती देती है। जब किसी राष्ट्र के सार्वभौमिक प्रतीक पर हमला होता है, तो वह उस राष्ट्र के स्वाभिमान और उसके विचारों पर हमला माना जाता है। गांधी केवल भारत के नायक नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के नैतिक मार्गदर्शक हैं। उनका स्मारक क्षतिग्रस्त करना मानवता की उस चेतना को धूमिल करने का प्रयास है जो संवाद, सहिष्णुता, अहिंसा और शांति पर आधारित है। ऐसे समय में जब दुनिया युद्ध, आतंक और कट्टरता से त्रस्त है, गांधी का विचार और भी प्रासंगिक हो जाता है। ऐसे विचार को कुचलने की चेष्टा न केवल भारत के लिए बल्कि पूरी दुनिया के लिए एक गंभीर चुनौती है। समीक्षात्मक दृष्टि से देखा जाए तो यह घटना हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि आखिर क्यों अहिंसा जैसे सार्वभौमिक मूल्य आज के दौर में असहनीय प्रतीत होते हैं? क्यों कुछ समूह इतिहास को मिटाने और संवाद की जगह हिंसा को स्थापित करने पर आमादा हैं? यह केवल अतीत की स्मृति पर हमला नहीं है, बल्कि भविष्य की दिशा पर भी सवाल खड़ा करता है। मूर्तियां टूटीं तो उन्हें ठीक किया जा सकता है, लेकिन यदि विचारों को खंडित करने का यह सिलसिला जारी रहा तो यह मानवता की आत्मा के लिए घातक सिद्ध होगा।

समय-समय पर शरारती एवं असामाजिक तत्व देश एवं दुनिया में भारत की महान् विभूतियों-गांधी-मोदी के दर्शन व उनकी कार्य-पद्धतियों पर कीचड़ उछालते रहे हैं और उन्हें गालियां देकर गौरवान्वित होते रहे हैं। ताजा गांधी प्रतिमा को तोड़ने की घटना किसी साधारण शरारत या स्थानीय असंतोष का परिणाम नहीं है, बल्कि यह उस गहरी हिंसक, आतंकी और विकृत मानसिकता का प्रतीक है, जो दुनिया में अहिंसा की आवाज़ को दबाना चाहती है। यह घटना केवल एक प्रतिमा को खंडित करने की नहीं, बल्कि महात्मा गांधी के विचारों पर आहत करने की साजिश है। गांधी महज एक व्यक्ति नहीं, बल्कि एक दर्शन हैं। उनके सत्य और अहिंसा के सिद्धांत विश्व राजनीति, समाज और मानवता के लिए अब भी सबसे बड़ी प्रेरणा बने हुए हैं।

इसीलिए हिंसक मानसिकताएं बार-बार इन मूल्यों को मूक बनाने या कुचलने का प्रयास करती हैं। गांधी प्रतिमा पर हमला वस्तुतः उसी मानसिकता की पुनरावृत्ति है, जिसने उनकी हत्या की थी। आज यह मानसिकता कभी धार्मिक उग्रवाद, कभी नस्लीय भेदभाव, कभी आतंकवाद और कभी आर्थिक साम्राज्यवाद का रूप धारण करके सामने आती है। यह घटना भारत ही नहीं, पूरी दुनिया के लिए गंभीर चेतावनी है कि यदि अहिंसा और सहअस्तित्व की आवाज़ को चुप करा दिया गया, तो मानव सभ्यता हिंसा, आतंक और विनाश के अंधकार में जा सकती है।

प्रधानमंत्री ने बीते वर्षों में जिस तरह शांति, वैश्विक सहयोग और अहिंसक संवाद की परंपरा को विश्व मंच पर प्रतिष्ठित करने का प्रयास किया है, वह गांधी दर्शन की ही आधुनिक अभिव्यक्ति है। अंतरराष्ट्रीय संघर्षों, जलवायु संकटों, आतंकवादी क्रुरताओं और युद्ध की विभीषिकाओं से जूझती दुनिया में भारत की यह भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। ऐसे में गांधी प्रतिमा पर हमला, दरअसल इस शांति अभियान को ठेस पहुँचाने का संगठित प्रयास है। यह केवल भारत को नहीं, बल्कि उन सभी देशों और समुदायों को चुनौती है, जो अहिंसा को सभ्यता का मूल मंत्र मानते हैं। आज यह जरूरी है कि हम इस हिंसक और आतंकवादी मानसिकता को करारा जवाब दें। यह जवाब केवल प्रतिवाद या आक्रोश से नहीं, बल्कि गांधी के विचारों को और अधिक दृढ़ता से जीकर और फैलाकर देना होगा। जब-जब गांधी प्रतिमा पर चोट की गई है, तब-तब गांधी और बड़े होकर खड़े हुए हैं।

हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर में बड़ा हादसा

भूस्खलन में बस सवार 15 लोगों की हुई मौत

बिलासपुर। देश के पहाड़ी राज्यों में शुरू हुआ प्राकृतिक आपदाओं का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। ताजा मामला हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर से जुड़ा है। यहां मंगलवार को भूस्खलन के दौरान पहाड़ी से निकला भारी मलबा यात्रियों से भरी एक प्राइवेट बस पर आ गिरा। इस घटना में 10 लोगों की मौत की खबर आई। बताया जाता है कि इस हादसे में अब तक 10 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 15 से 20 लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका जताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे दल ने राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया है। यह घटना बिलासपुर जिला के झंडूता उपमंडल के तहत बल्लू पुल के पास की बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, अभी तक मलबे से 10 शवों को निकाला जा चुका है, जबकि मृतकों की संख्या में वृद्धि की आशंका जताई जा रही है।

हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री कार्यालय ने सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू के हवाले से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, "बिलासपुर जिला के झंडूता विधानसभा क्षेत्र के बालूघाट (भल्लू पुल) के पास हुए भीषण भूस्खलन की खबर ने मन को भीतर तक झकझोर दिया है। इस भारी भूस्खलन में एक प्राइवेट बस के चपेट में आने से 10 लोगों के निधन का दुःखद समाचार मिला है और कई अन्य के मलबे में दबे होने की आशंका है।

पोस्ट में आगे लिखा गया, "रेस्क्यू ऑपरेशन युद्ध स्तर पर जारी है। अधिकारियों को पूरी मशीनरी लगाने के निर्देश दिए गए हैं। मैं स्थानीय प्रशासन के संपर्क में हूं और पूरे रेस्क्यू ऑपरेशन की पल-पल की जानकारी ले रहा हूं। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को शांति दें और शोकाकुल परिवारों को संबल प्रदान करें। इस कठिन घड़ी में मैं सभी प्रभावित परिवारों के साथ हूं। इससे पहले पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग में भारी बारिश और भूस्खलन के कारण 13 लोगों की मौत हो गई थी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2 लाख राहत राशि की घोषणा की

हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर में मंगलवार को भूस्खलन के दौरान पहाड़ी से निकला भारी मलबा यात्रियों से भरी एक प्राइवेट बस पर जा गिरा। इस घटना में 10 लोगों की मौत हो गई। प्रधानमंत्री मोदी ने हादसे पर दुख जताते हुए मृतक के परिजनों और घायलों को आर्थिक मदद देने का ऐलान किया। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पीएम मोदी के हवाले से लिखा, रहिमाचल प्रदेश के बिलासपुर में हुए एक हादसे में हुई जान-माल की हानि से दुखी हूं। इस कठिन समय में मेरी संवेदनाएं प्रभावित लोगों और उनके परिवारों के साथ हैं। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। पीएमओ ने पोस्ट में आगे लिखा, श्प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से प्रत्येक मृतक के परिजनों को 2 लाख रुपए की अनुग्रह राशि दी जाएगी। घायलों को 50 हजार रुपए दिए जाएंगे। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री कार्यालय ने सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू के हवाले से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, "बिलासपुर जिला के झंडूता विधानसभा क्षेत्र के बालूघाट (भल्लू पुल) के पास हुए भीषण भूस्खलन की खबर ने मन को भीतर तक झकझोर दिया है।

राष्ट्रपति, गृह मंत्री और जेपी नड्डा ने जताया दुख

हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर में मंगलवार शाम हुए भीषण भूस्खलन के मलबे की चपेट में एक बस आ गई। इस हादसे में 10 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। इस दुखद हादसे पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने गहरा शोक व्यक्त किया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने दुख जताते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, रबिलासपुर, हिमाचल प्रदेश में भूस्खलन के कारण हुई बस दुर्घटना में कई लोगों की मृत्यु का समाचार अत्यंत दुखद है। अपने प्रियजनों को खोने वाले परिवारों के प्रति मैं संवेदना व्यक्त करती हूं और घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूं।र केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक्स पोस्ट में लिखा, रहिमाचल प्रदेश के बिलासपुर में भूस्खलन के कारण हुए बस हादसे से मन अत्यंत दुखी है। एनडीआरएफ की टीमें घटना घटनास्थल पर पहुंच चुकी हैं और बचाव कार्य में लगी हैं। इस हादसे में जिन लोगों ने अपनों को खोया है, उनके प्रति संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। साथ ही, घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।

कफ सिरप से गई 11 बच्चों की जान मध्य प्रदेश में कोल्ड्रिफ पर बैन

मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा में कफ सिरप पीने से कई बच्चों की किडनी फेल होने से मौत हो गई। अब तक 11 बच्चों की जान जा चुकी है। जांच में सिरप में जहरीला केमिकल पाया गया जिसके बाद राज्य सरकार ने इसकी बिक्री पर रोक लगा दी है। इस मामले में एक्शन लेते हुए पुलिस ने छिंदवाड़ा के परसिया से डॉक्टर प्रवीण सोनी को गिरफ्तार कर लिया है। मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा में कफ सिरप के पीने से कई बच्चों की मौत हो गई। आशंका जताई जा रही है कि दवा के सेवन से बच्चों की किडनी फेल हो गई। शनिवार को दो बच्चों की मौत के बाद इस कफ सिरप से मरने वाले नौनिहालों की संख्या 11 पहुंच गई है। इस घटना के बाद राज्य सरकार एक्शन में आई है। पीड़ितों द्वारा ली गई कफ सिरप की जांच लैब में की गई, जिसमें पाया गया कि इस सिरप में एक जहरीला केमिकल है। इस जानकारी के सामने आने के बाद मध्य प्रदेश में इस कफ सिरप की बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। वहीं, राज्य के छिंदवाड़ा से इस दवा का सुझाव देने वाले चिकित्सक को भी गिरफ्तार कर लिया गया है।

दवा लिखने वाले डॉक्टर के खिलाफ एक्शन : मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा में इस कफ सिरप के कारण हुई बच्चों की मौत के बाद प्रशासन ने एक्शन लिया है। मध्य प्रदेश पुलिस ने डॉक्टर प्रवीण सोनी को छिंदवाड़ा के परासिया से गिरफ्तार किया है। डॉक्टर प्रवीण सोनी परासिया के जाने-माने बाल रोग विशेषज्ञ हैं। सर्दी और बुखार से पीड़ित बच्चों के की दवाइयों में उन्होंने कोल्ड्रिफ कफ सिरप पिलाने का सुझाव दिया था। इसी कफ सिरप के सेवन के बाद कई बच्चे बीमार गंभीर रूप से बीमार हो गए और उनकी मौत हो गई।

जांच रिपोर्ट में सामने आई ये बात : बता दें कि मध्य प्रदेश सरकार को तमिलनाडु औषधि नियंत्रण विभाग से शनिवार को एक रिपोर्ट मिली। इस रिपोर्ट में बताया गया कि जांच में जो सैंपल भेजा गया था, वह मिलावटी था। इस सिरप में 48.6 प्रतिशत डाइएथिलीन ग्लाइकॉल पाया गया है। बताया जाता है कि एंटी-फ्रीज और ब्रेक फ्लूइड्स में इस्तेमाल होने वाला डीईजी, निगलने पर किडनी फेल होने से मौत होने का खतरा बना रहता है।

सिरप बनाने वाली कंपनी पर कार्रवाई के निर्देश : मध्य प्रदेश सरकार ने तमिलनाडु में श्रीशन फर्मास्युटिकल द्वारा बनाई जाने वाली कोल्ड्रिफ पर तुरंत कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने सभी औषधि निरीक्षकों को मौजूदा स्टॉक जब्त करने, आगे की बिक्री रोकने और परीक्षण के लिए जांच के निर्देश दिए हैं।

सीएम मोहन यादव ने क्या कहा? : वहीं, मामले में मध्य प्रदेश के सीएम मोहन यादव एक्शन में हैं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि छिंदवाड़ा में कोल्ड्रिफ सिरप से हुई बच्चों की मौत दुखद है। वहीं, शनिवार को सीएम यादव ने प्रत्येक मृतक बच्चों के परिजनों को 4 लाख रुपये मुआवजा देने की घोषणा की। वहीं, राज्य सरकार ने कहा कि बीमार बच्चों के इलाज का खर्च सरकार निर्वहन करेगी।

छिंदवाड़ा कफ सिरप मामले में बड़ा खुलासा जहरीले स्तर पर मिला 'डायएथिलीन ग्लाइकोल'

भोपाल। मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा में कोल्ड्रिफ कफ सिरप को लेकर सामने आई हालिया जांच रिपोर्ट ने कई चिंताएं बढ़ा दी हैं। औषधि एवं खाद्य नियंत्रक दिनेश मौर्य ने इस मामले में बड़ी जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि छिंदवाड़ा में हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटना के संबंध में जिन सिरप और दवाओं की शिकायतें मिली थीं, उन सभी के नमूने लिए गए। इनमें से कुछ की जांच रिपोर्ट आ चुकी है, जबकि कुछ की जांच अभी भी जारी है। खासकर जिस कोल्ड्रिफ कफ सिरप की बात हो रही है, वह तमिलनाडु में बनाया गया था। जांच में यह पाया गया है कि इस कफ सिरप में डायएथिलीन ग्लाइकोल की मात्रा निर्धारित सीमा से बहुत अधिक है। सामान्य तौर पर कफ सिरप में डायएथिलीन ग्लाइकोल की मात्रा 0.10 प्रतिशत तक होनी चाहिए, मगर जांच में यह मात्रा 48 प्रतिशत पाई गई है, जो कि मानक से लगभग 480 गुना ज्यादा है। डायएथिलीन ग्लाइकोल एक विषैला पदार्थ है, जिसकी अधिक मात्रा से शरीर में गंभीर नुकसान हो सकता है। इस कारण कोल्ड्रिफ कफ सिरप को कंटामिनेटेड घोषित कर दिया गया है और इस पर बैन लगा दिया गया है। इसके साथ ही, मध्य प्रदेश में कोल्ड्रिफ के सभी प्रोडक्ट्स की बिक्री पूरी तरह से रोक दी गई है। वहीं, एक और कफ सिरप 'नेक्सट्रो डीएस' की भी जांच जारी है। इसकी जांच रिपोर्ट आने के बाद ही इस पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। जांच पूरी होने तक इस सिरप को प्रिस्क्राइब करने पर भी रोक लगा दी गई है। औषधि एवं खाद्य नियंत्रक दिनेश मौर्य ने जनता से अपील की है कि वे बिना जांच और डॉक्टर की सलाह के किसी भी कफ सिरप का सेवन न करें। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि सभी दवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए सरकार पूरी तरह सतर्क है और इस मामले में जल्द से जल्द दोषियों को पकड़कर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। सरकार ने स्पष्ट किया है कि इस घटना को गंभीरता से लिया जा रहा है और इस तरह के घातक उत्पादों को बाजार से हटाने के लिए कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी ताकि जनता की सेहत सुरक्षित रहे।

बिहार में चुनावी समर का महाआगाज

2 चरणों में होगा मतदान

बिहार की 243 सीटों के लिए नामांकन, वोटिंग और रिजल्ट की तारीखों का ऐलान सोमवार को मुख्य निर्वाचन आयुक्त (CEC) ज्ञानेश कुमार ने किया. राज्य में चुनाव 2 फेज में संपन्न होंगे. चुनाव की तारीखों के ऐलान के साथ ही बिहार में आचार संहिता लागू हो गया है. 4 और 5 अक्टूबर को चुनाव आयोग की टीम ने बिहार का दौरा किया था और उम्मीद लगाई जा रही थी कि जल्द चुनाव की तारीखों का ऐलान होगा.

कब होगा बिहार चुनाव : मुख्य चुनाव आयुक्त ने बताया कि बिहार विधानसभा का चुनाव को लेकर मतदान 6 और 11 नवंबर को होगा. रिजल्ट 14 नवम्बर को आएगा.

किस उम्र वर्ग के कितने वोटर : निर्वाचन आयोग के 30 सितंबर 2025 तक के आंकड़ों के अनुसार बिहार में कुल 7.43 करोड़ मतदाता हैं. इस मतदाता सूची में 3.92 करोड़ पुरुष और 3.50 करोड़ महिलाएं शामिल हैं. 1725 ट्रांसजेंडर भी मतदान कर सकेंगे. बिहार में 20-29 वर्ष के 1.63 करोड़ युवा मतदाता हैं. इनमें से 14.01 लाख नागरिक ऐसे हैं जो पहली बार वोट देंगे. लोकतंत्र में सभी की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए 7.2 लाख दिव्यांग मतदाता और 4.04 लाख वरिष्ठ नागरिक भी सूची में शामिल हैं. इनके लिए वोटिंग सेंटर पर सुविधा दी जाएगी.

बिहार विधानसभा का मौजूदा समीकरण : बिहार विधानसभा में बीजेपी 79 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी है. मुख्य विपक्षी दल राजद के पास 77, जदयू के पास 45, कांग्रेस के पास 19, माले के पास 11, हम के पास 4, AIMIM के पास 1, भाकपा के पास 2, माकपा के पास 2, और 1 निर्दलीय विधायक है.

1350 मॉडल वोटिंग सेंटर बनाये जायेंगे : CEC ने बताया कि बिहार में कुल 90712 मतदान केंद्र स्थापित किए गए हैं. हर केंद्र पर औसतन 818 मतदाता पंजीकृत हैं. इनमें से 76801 केंद्र ग्रामीण क्षेत्रों में और 13911 केंद्र शहरी इलाकों में है. सभी मतदान केंद्रों पर वेबकास्टिंग की सुविधा उपलब्ध कराई गई है ताकि मतदान प्रक्रिया पर पूरी निगरानी रखी जा सके. इसके अलावा, मतदाताओं को बेहतर अनुभव देने के लिए 1350 मॉडल मतदान केंद्र भी बनाए जायेंगे.

मोबाइल साथ ले जाने वालों के लिए क्या नियम : मुख्य चुनाव आयुक्त ने बताया कि अब मतदाता अपने मोबाइल फोन मतदान केंद्र तक ले जा सकेंगे. मतदान कक्ष में प्रवेश से पहले मोबाइल बाहर जमा कराना अनिवार्य होगा. इसके लिए प्रत्येक बूथ पर मोबाइल रखने की व्यवस्था की जाएगी. मतदान पूरा करने के बाद मतदाता अपना मोबाइल वापस प्राप्त कर सकेंगे.

बिहार चुनाव को लेकर क्या-क्या नया

- वोटर बूथ के अंदर मोबाइल फोन ले जा सकेंगे, लेकिन मतदान कक्ष में जाने से पहले जमा करना होगा.
- एक बूथ पर अधिकतम 1200 वोटर होंगे. इस पहल से वोट के लिए लोगों को ज्यादा इंतजार नहीं करना पड़ेगा.
- 100 प्रतिशत बूथ पर वेब कास्टिंग. पहले 50 से 60 प्रतिशत बूथ पर ही वोटिंग प्रक्रिया की लाइव विडियो स्ट्रीमिंग होती थी.
- EVM में उम्मीदवारों की कलर फोटो होगी. पहले ब्लैक एंड वाइट फोटो से उम्मीदवारों की पहचान में दिक्कत होती थी.
- इस बार बड़े अक्षरों में वोटर स्लिप होगी. पोलिंग बूथ का नाम और पता भी बोल्ड फॉन्ट में लिखा होगा.
- पोलिंग बूथ से 100 मीटर की दूरी पर हर उम्मीदवार अपने एजेंट को लगा सकते हैं.
- बूथ लेवल ऑफिसर (BLO) जब आए तो वोटर पहचान पाएं, इसके लिए उनके भी ID कार्ड शुरू किए गए हैं.
- पोस्टल बैलेट की गिनती EVM के आखिरी दो राउंड से पहले पूरी होगी.
- चुनाव समाप्त होने के तुरंत बाद कुल वोटर्स की संख्या और वोटिंग टर्नआउट की आधिकारिक घोषणा की जाएगी.
- पोस्टल बैलेट की गिनती प्रक्रिया को सरल किया
- डिजिटल इंडेक्स कार्ड एवं रिपोर्ट
- 15 दिनों में ईपिक नंबर मिलेगा

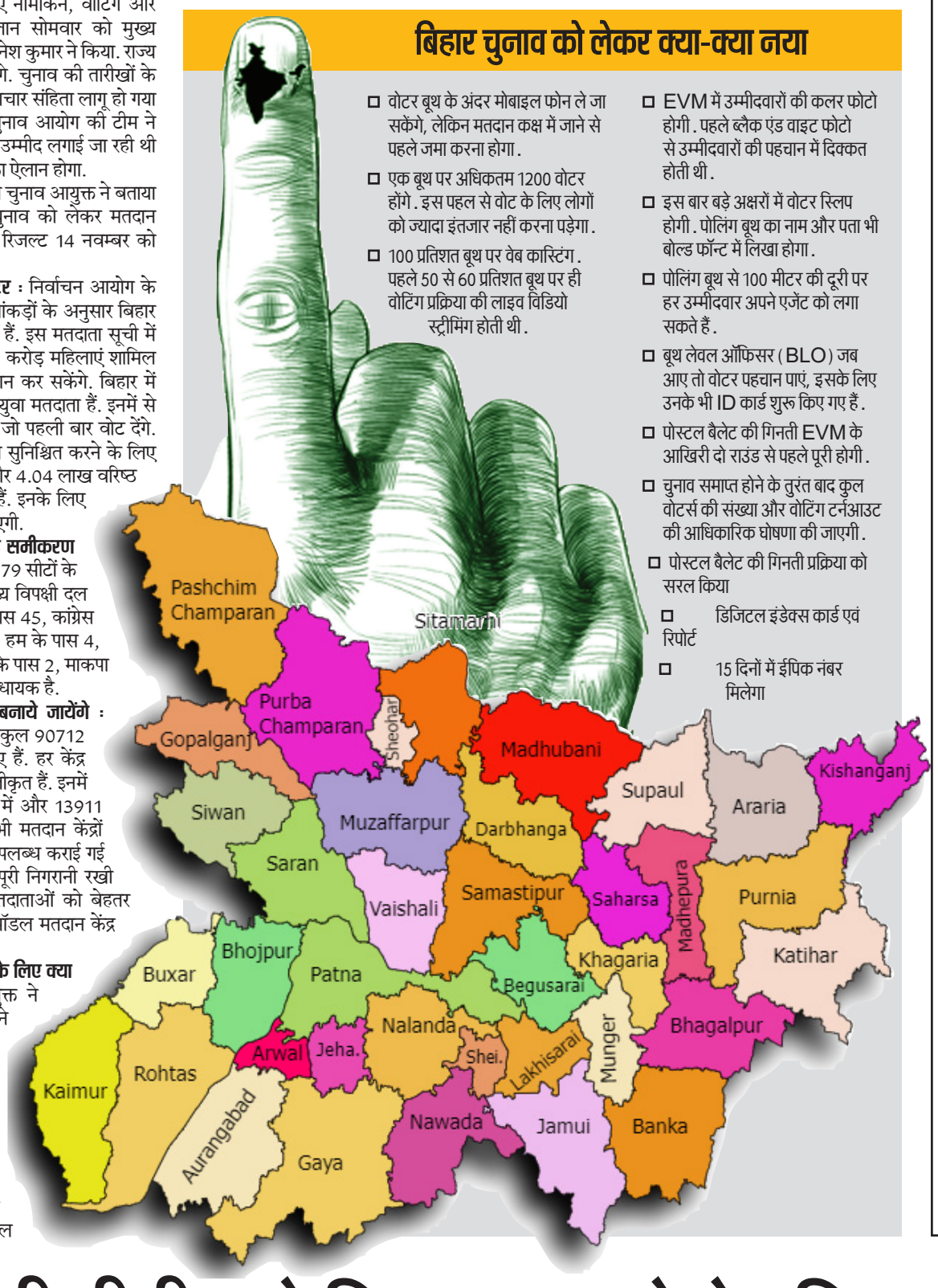

जन सुराज पार्टी ने जारी की 51 उम्मीदवारों की पहली सूची

पटना । जन सुराज पार्टी ने गुरुवार को बिहार विधानसभा चुनाव के लिए 51 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की. उम्मीदवारों में जननायक कर्पूरी ठाकुर की पोती डॉ जागृति ठाकुर को समस्तीपुर के मोरवा से, पूर्व केंद्रीय मंत्री आरसीपी सिंह की बेटी लता कुमारी को अस्थावां से, नालंदा ओपेन विवि के पूर्व कुलपति प्रो केसी सिन्हा को पटना के कुम्हरार से, वरीय अधिवक्ता वाइवी गिरि को मांझी, पूर्व विधायक किशोर कुमार मुन्ना को सहरसा और पूर्व डीजी (होमगार्ड) आरके मिश्रा को दरभंगा और हिमाचल प्रदेश के पूर्व डीजी जेपी सिंह को छपरा से उम्मीदवार बनाया है. पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय सिंह ने कहा कि 51 उम्मीदवारों में सात सुरक्षित और 44 सामान्य सीट के उम्मीदवार हैं. अति पिछड़ा वर्ग के 17, पिछड़ा वर्ग के 11, सामान्य वर्ग के नौ और अल्पसंख्यक वर्ग के सात उम्मीदवार शामिल किये गये हैं.

सरकार बनी, तो 20 माह में हर घर में एक सरकारी जॉब : तेजस्वी यादव

पटना । राजद नेता तेजस्वी यादव ने आचार संहिता प्रभावी होने के बाद पहली घोषणा करते हुए कहा कि बिहार में जिस भी परिवार के पास अभी सरकारी नौकरी नहीं है. ऐसे हर परिवारों को सरकार बनने के बाद एक नया अधिनियम बनाकर अनिवार्य रूप से नौकरी दी जायेगी. उन्होंने कहा कि सरकार बनने के 20 दिन के अंदर इसके लिए अधिनियम बनायेंगे. इसके बाद 20 माह के अंदर बिहार में ऐसा कोई घर नहीं बचेगा, जिसके पास सरकारी नौकरी नहीं होगी. इस तरह उन्होंने साफ किया कि राज्य के हर परिवार में कम से कम एक सदस्य को सरकारी नौकरी सुनिश्चित करने के लिए कानून लाया जायेगा. उन्होंने यह घोषणा गुरुवार को पोलो रोड स्थित अपने सरकारी आवास पर बुलायी प्रेस कॉन्फ्रेंस में की है. उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार 20 साल में युवाओं को रोजगार देने में असफल रहा. इसलिए उसे बेरोजगारी भत्ता देने की बात कहनी पड़ रही है, लेकिन मेरी सरकार लोगों को नौकरी देगी.

दो-चार लोग नहीं, अब पूरा बिहार सरकार चलायेगा : तेजस्वी : तेजस्वी ने कहा कि 20 साल में हर घर में असुरक्षा और बेरोजगारी का 'खौफ' दिया, अब हम हर घर को जॉब देंगे. जॉब को उन्होंने 'जश्न ऑफ बिहार' कहा. कहा कि अब दो चार लोग नहीं, अब पूरा बिहार सरकार चलायेगा. इस दौरान उन्होंने कुछ खास लाइनों से तुकबंदी भी की. वह इस प्रकार थी- "हो सरकार में भागीदारी, हर युवा की हो हिस्सेदारी. इसलिए तेजस्वी सरकार देगी, हर परिवार को नौकरी सरकारी."उन्होंने जोर देकर कहा कि मेरा कर्म बिहार है और मेरा धर्म बिहारी. उन्होंने कहा कि मैं नौकरी देने की जो घोषणा कर रहा हूं.

जदयू को 104 व भाजपा को मिल सकती हैं 103 सीटें

पटना। बिहार एनडीए में सीट बंटवारे को लेकर फॉर्मूला तैयार हो चुका है. सहमति के मुताबिक चिराग पासवान और, जीतन राम मांझी और उपेंद्र कुशवाहा के साथ तालमेल को अंतिम रूप भाजपा देगी. इन तीनों दलों के बीच सीटों के बटवारे के बाद जो सीटें बचेंगी उनमें जदयू और भाजपा कमोवेश बराबरी के तौर पर चुनाव मैदान में उतरेंगे. सूत्रों के अनुसार, रविवार को एनडीए अपने सीटों के तालमेल की घोषणा संयुक्त तौर पर कर देगी.

मुख्यमंत्री नीतीश ने किया पटना मेट्रो परिचालन का उद्घाटन

पटना । बिहार विधानसभा चुनाव के पहले पटना के लोगों को सरकार ने बड़ा तोहफा दिया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को पटना मेट्रो के तहत भूतनाथ से न्यू आईएसबीटी तक पहले फेज मेट्रो के परिचालन का उद्घाटन किया। इस मौके पर उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा भी मौजूद रहे। बताया गया कि फिलहाल यह मेट्रो सेवा 4.3 किलोमीटर के रूट पर चलेगी, जो तीन स्टेशनों आईएसबीटी, जीरो माइल और भूतनाथ रोड के बीच संचालित होगी। उद्घाटन के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भी मेट्रो की सवारी की। मेट्रो की शुरुआत के बाद राजधानीवासियों ने प्रसन्नता जताई है। लोग मेट्रो की पहली झलक देखने को लेकर उत्साहित दिखे। मेट्रो के कोच को मधुबनी पेंटिंग से खास तौर पर सजाया गया है, जो बिहार की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करता है। कोचों में गेट, खिड़कियों और अंदरूनी हिस्सों पर बिहार के विश्व प्रसिद्ध पर्यटक स्थलों के आकर्षक स्टिकर लगाए गए हैं। शुरुआत में मेट्रो की अधिकतम गति 40 किलोमीटर प्रति घंटा होगी। बताया गया कि आईएसबीटी से जीरो माइल का किराया 15 रुपए होगा, वहीं न्यू आईएसबीटी से भूतनाथ मेट्रो स्टेशन का किराया 30 रुपए निर्धारित किया गया है। यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए हर मेट्रो कोच में 360-डिग्री सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। मेट्रो कोच में मोबाइल और लैपटॉप चार्जिंग की सुविधा भी होगी। प्रत्येक कोच में सभी दरवाजों के पास एक लाल रंग का पैनिक बटन दिया गया है। कोच के अंदर डिस्प्ले बोर्ड पर अगले स्टेशन की जानकारी और घोषणाएं लगातार चलती रहेंगी। फिलहाल इसका परिचालन सुबह आठ बजे से रात 10 बजे तक किया जाएगा। हर 20 मिनट के अंतराल पर प्रत्येक स्टेशन पर मेट्रो उपलब्ध होगी। प्रतिदिन मेट्रो 40 से 42 फेरे लगाएगी। महिलाओं और दिव्यांगों के लिए प्रत्येक ट्रेन में 12-12 सीटें आरक्षित होंगी। इस मौके पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कॉरिडोर वन के तहत पटना जंक्शन सहित छह भूमिगत मेट्रो स्टेशनों और 9.35 किलोमीटर लंबी सुरंग की आधारशिला भी रखी।

पटना के लोगों का इंतजार खत्म

भारत ने वेस्टइंडीज को एक पारी और 140 रन से हराया

भारत ने ढाई दिन में जीता पहला टेस्ट

जडेजा ने 104* रन बनाये और चार विकेट लिये

उपकप्तान रवींद्र जडेजा के बेहतरीन ऑलराउंड प्रदर्शन की बदौलत भारत ने वेस्टइंडीज को पहले क्रिकेट टेस्ट में तीन दिन के भीतर ही एक पारी और 140 रन से हरा कर दो मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली. भारत ने पहली पारी कल के स्कोर पांच विकेट पर 448 रन पर घोषित करके 286 रन की बढ़त बना ली थी. वेस्टइंडीज की टीम दूसरी पारी में 45.1 ओवर में 146 रन पर आउट हो गयी. बल्लेबाजी में नाबाद शतक जमाने वाले जडेजा ने दूसरी पारी में 54 रन देकर चार विकेट लिये. दूसरा टेस्ट 10 अक्तूबर से दिल्ली में खेला जायेगा. कप्तान शुभमन गिल ने मैच के बाद कहा : यह हमारे लिए परफेक्ट मैच था. तीन शतक और इतनी शानदार फील्डिंग. तीसरे दिन पिच से मिल रही मदद का मोहम्मद सिराज और जसप्रीत बुमराह ने पूरा फायदा उठाया. सिराज ने 40 रन देकर चार और बुमराह ने 42 रन देकर तीन विकेट लिये. भारतीय पारी में सलामी बल्लेबाज केएल राहुल (100) ने नौ साल बाद देश में टेस्ट शतक लगाया. विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल ने पहला टेस्ट शतक जड़ा और जडेजा 104 रन बना कर नाबाद रहे. तीसरे दिन सुबह के सत्र में पिच से मदद की संभावना में भारत ने पारी कल के स्कोर पर ही घोषित कर दी. जडेजा की अगुवाई में स्पिनरों ने वेस्टइंडीज को दबाव में रखा. सलामी बल्लेबाज तेजनारायण चंद्रपॉल (आठ) और जॉन कैंपबेल ने सकारात्मक शुरुआत की, लेकिन आठवें ओवर में नीतीश रेड्डी ने स्क्वेयर लेग पर शानदार कैच लपक कर भारत को पहली कामयाबी दिलायी. सिराज की शॉर्ट गेंद पर चंद्रपॉल ने शॉट खेला और रेड्डी ने अपनी बायीं ओर डाइव लगा कर बेहतरीन कैच पकड़ा. इसके बाद जडेजा ने कैंपबेल (14) को रवाना किया. चौथे नंबर पर उतरे ब्रेंडन किंग (पांच) ने पहली स्लिप में केएल राहुल को कैच थमाया. वेस्टइंडीज के कप्तान रोस्टन चेस (एक) को स्पिनर कुलदीप यादव ने आउट किया.

रोहित से छिनी कप्तानी, गिल बने वनडे टीम के नये कप्तान

एक बड़े बदलाव के तहत भारतीय चयनकर्ताओं ने शनिवार को रोहित शर्मा को एकदिवसीय टीम की कप्तानी से हटा कर विश्व कप 2027 के मद्देनजर युवा सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल को आगामी ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए टीम की कमान सौंपी है. महेंद्र सिंह धौनी के अलावा रोहित एकमात्र कप्तान हैं, जिन्होंने आइसीसी के सफेद गेंद के तीन फाइनल्स में भारतीय टीम की अगुआई कर 20 विश्व कप और चैंपियंस ट्रॉफी खिताब दिलाये. उनके नेतृत्व में टीम वनडे विश्व कप में उप विजेता रही थी. वनडे कप्तान के तौर पर रोहित ने 56 मैच में से 42 में जीत दिलायी, जिससे उनका जीत का प्रतिशत 76 रहा. रोहित और विराट कोहली को 15 सदस्यीय भारतीय टीम में चुना गया है, जिसकी घोषणा शनिवार को बीसीसीआइ ने की.

भारत की टीम

- **वनडे :** शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), अक्षर पटेल, केएल राहुल (विकेटकीपर), नीतीश कुमार रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), यशस्वी जायसवाल.
- **टी-20 :** सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल (उपकप्तान), तिलक वर्मा, नीतीश कुमार रेड्डी, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, संजू सैमसन, रिंकू सिंह और वॉशिंगटन सुंदर.

फिल्म जटाधारा में खलनायिका बन सोनाक्षी सिन्हा बनाएंगी नया इतिहास

मुंबई। सोनाक्षी सिन्हा अपने आगामी द्विभाषी (हिंदी-तेलुगु) प्रोजेक्ट 'जटाधारा' से दर्शकों को चौंकाने वाली हैं क्योंकि ज़ी स्टूडियोज़ और प्रेरणा अरोड़ा की इस बहुप्रतीक्षित पौराणिक स्पेक्टेकल फिल्म से तेलुगु सिनेमा में कदम रखने जा रहीं सोनाक्षी सिन्हा बड़े पर्दे पर पहली बार खलनायिका के रूप में नज़र आनेवाली हैं। हालांकि 'धन पिशाचिनी' के रूप में उनका यह किरदार सिर्फ नकारात्मक ही नहीं, बल्कि बेहद शक्तिशाली और दमदार भी है। गौरतलब है कि जहां अधिकतर कलाकार अपने सकारात्मक किरदार को लेकर काफी सजग रहते हैं, वहां सोनाक्षी का यह कदम न सिर्फ साहसिक है, बल्कि उन्हें नए मुकाम पर ले जाने की काबिलियत को भी दर्शाता है। विशेष रूप से रहस्यवाद, आध्यात्मिक प्रतीकों और शक्ति के स्त्री रूप को एक रोचक सिनेमाई ताने-बाने में पिरोते हुए सोनाक्षी सिन्हा ने जिस तरफ अपना कदम बढ़ाया है, वो बॉलीवुड में उनकी बहुमुखी प्रतिभा को और निखारने में कोई कसर नहीं छोड़ेगा। गौरतलब है कि 'जटाधारा' की कहानी काले जादू की रहस्यमयी दुनिया की झांकी पेश करती है, जहाँ तंत्र-मंत्र, गुप्त अनुष्ठान और प्राचीन श्राप आस्था और भय की सीमाओं को दर्शाया गया है। ऐसे में यहाँ सोनाक्षी का किरदार सिर्फ एक खलनायिका का नहीं, बल्कि तंत्र और तांत्रिक शक्तियों से जन्मी एक भयावह सत्ता की भी है, जो कहानी को गहराई और नया आयाम देती है। हालांकि हाल ही में दुर्गा पूजा पर रिलीज़ हुआ सोनाक्षी का गाना "धना पिशाची" (हिंदी और तेलुगु में) पहले ही फिल्म के रहस्य और रोमांच को और बढ़ा चुका है। इसके अलावा गाने के दृश्यों में प्राचीन अनुष्ठान, भगवान शिव से जुड़े प्रतीक और पौराणिक छवियाँ सोनाक्षी की खलनायिका वाली भयावह छवि को और प्रभावशाली बनाते हैं। फिल्म में उनके अपोज़िट सुधीर बाबू नज़र आएंगे, जो कहानी को भावनात्मक गहराई देते हैं और अच्छाई और बुराई के संघर्ष को निजी और गहन बनाते हैं। 'जटाधारा' के साथ सोनाक्षी सिन्हा न सिर्फ तेलुगु सिनेमा में एंट्री कर रही हैं, बल्कि खुद को नए रूप में गढ़ रही हैं और यह साबित कर रही हैं कि खलनायिका की ताकत कभी-कभी नायक से भी ज़्यादा आकर्षक और प्रभावशाली हो सकती है। फिल्म 'जटाधारा' 7 नवंबर 2025 को हिंदी और तेलुगु, दोनों भाषाओं में सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी।

मीरा राजपूत का जिम लुक वीडियो, फैंस के बीच छाई 'मॉर्निंग ब्लूज' वाली अदा

मुंबई । अभिनेता शाहिद कपूर की पत्नी मीरा राजपूत भले ही सिनेमा की दुनिया से दूर रहती हैं, लेकिन वह अपने सोशल मीडिया के जरिए फैंस के बीच अपनी मौजूदगी दर्ज करवाती रहती हैं। उन्होंने मंगलवार को सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया। मीरा राजपूत सोशल मीडिया पर अपनी जिंदगी की छोटी-बड़ी झलकियां साझा करती रहती हैं। चाहे वह फिटनेस, फैशन, या फिर परिवार के साथ क्वालिटी टाइम हो, वह हमेशा अपने फॉलोअर्स को प्रेरित करती हैं। इससे पहले मीरा ने इंस्टाग्राम पर बताया था कि वह अपने चेहरे पर फ्रेशनेस और ग्लोइंग त्वचा के लिए हल्दी का इस्तेमाल करती हैं। उन्होंने बताया कि वह हल्दी को बेसन, दही, या गुलाब जल के साथ मिलाकर फेस पैक के रूप में लगाती हैं, जिससे उनके चेहरे पर निखार बना रहता है। उन्होंने एक अन्य 'डू इट योरसेल्फ' हैक बताया था। मीरा ने कहा था कि एक चम्मच शहद में दो चुटकी हल्दी मिलाएं। अब इस पैक को पूरे चेहरे और गर्दन पर लगा लें। इसे सिर्फ 20 मिनट लगा रहने दें और फिर पानी से धोकर साफ कर लें। इस नुस्खे से त्वचा चमकदार रहेगी। बता दें कि शाहिद कपूर ने मीरा राजपूत से साल 2015 में गुरुग्राम में शादी की थी। उस वक्त मीरा सिर्फ 20 साल की थीं। दोनों की अरेंज मैरिज थी। शाहिद को पहली ही मुलाकात में मीरा काफी पसंद आ गई थीं, लेकिन मीरा ने हां कहने में करीब छह महीने लगाए। साल 2016 में इस कपल ने बेटी मिशा का स्वागत किया। इसके बाद साल 2018 में बेटे जैन ने जन्म लिया। मीरा ने इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन में एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह जिम में मिरर वीडियो बनाती नजर आ रही हैं। लुक की बात करें तो वह जिम आउटफिट पहने हुए हैं, जिससे देख फैंस अंदाजा लगा रहे हैं कि वह एक्सरसाइज करके लौटी हैं या फिर करने जा रही हैं।

खूबसूरत यादों के साथ कृति सेनन ने पूरी की 'कॉकटेल-2' की शूटिंग

बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सेनन गुरुवार से ही सोशल मीडिया पर छाई हैं, क्योंकि एक्ट्रेस की लेटेस्ट फिल्म 'तेरे इश्क में' का दमदार टीजर सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटोर रहा है। टीजर में प्यार, इमोशन और एक्शन तीनों देखने को मिल रहे हैं, लेकिन अब एक्ट्रेस ने एक और फिल्म की शूटिंग पूरी कर ली है और फिल्म के रैप-अप होने की जानकारी फैंस के साथ शेयर की है। कृति सेनन ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर फिल्म की शूटिंग पूरी होने की जानकारी दी है। एक्ट्रेस ने फिल्म 'कॉकटेल-2' के इटली शेड्यूल की शूटिंग पूरी कर ली है और टीम के साथ इटली की प्यारी-प्यारी फोटोज पोस्ट की हैं। कृति सेनन ने फोटोज पोस्ट कर लिखा, ₹सियाओ माय बेलास...इसी तरह हमने कॉकटेल-2 के द सिसिलियन चैप्टर को खत्म कर लिया है...धूप, बारिश और एक खूबसूरत इंद्रधनुष के साथ रैप-अप।₹ एक्ट्रेस ने इटली में खूब एंज्वॉय किया है और उसका सबूत है एक्ट्रेस की मस्ती से भरी फोटोज। फैंस भी एक्ट्रेस को आगामी फिल्म के लिए शुभकामनाएं दे रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, ₹कॉकटेल 2 के लिए इंतजार नहीं हो रहा है हमारी लिटिल बटरफ्लाई को फिल्म के लिए शुभकामनाएं। एक दूसरे यूजर ने लिखा, ₹मुक्ति को पहले ही दर्शकों से बहुत प्यार और सराहना मिल रही है और अब कॉकटेल 2 भी शुरू हो गया है ये साल आपके नाम होने वाला है।₹ बता दें कि कृति की धनुष के साथ आ रही फिल्म 'तेरे इश्क में' में एक्ट्रेस ने मुक्ति नाम की लड़की का रोल प्ले किया है। फिल्म 'तेरे इश्क में' को सोशल मीडिया पर खूब सराहा जा रहा है। हालांकि अभी तक फिल्म का ट्रेलर रिलीज नहीं हुआ है, लेकिन फैंस बेसब्री से फिल्म के ट्रेलर और इसके रिलीज का इंतजार कर रहे हैं। इससे पहले एक्ट्रेस ने रश्मिका मंदाना और शाहिद कपूर के साथ अपनी पूल पार्टी की फोटोज शेयर की थीं।

राष्ट्र संवाद
हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र
Website : www.rashtrasamvad.com ● RNI No. : JHAHIN/2014/63781

संपादक	:	देवानंद सिंह
प्रबंधक संपादक	:	रश्मि सिंह
कार्यकारी संपादक	:	विजय शंकर मिश्रा
समन्वयक संपादक	:	रत्नेश कुमार, अमन कुमार
महाप्रबंधक	:	धीरज कुमार सिंह
प्रभारी बिहार, झारखंड	:	निजाम खान
बिहार ब्यूरो प्रमुख	:	चन्दन कुमार शर्मा
विशेष संवाददाता	:	प्रकाश सिंह, जितेन्द्र शर्मा, जेपी सिंह

- राष्ट्र संवाद में प्रकाशित सामग्री पर सर्वाधिकार सुरक्षित। लेखकों के मतों एवं कथनों के लिए संपादक व प्रकाशत की अनुमति अनिवार्य नहीं। सभी विवादों का निपटारा जमशेदपुर न्यायिक क्षेत्र में ही किया जायेगा। छायाचित्र एवं अन्य सामग्रियां भी अन्य पत्र-पत्रिकाओं से साभार।
- स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक देवानंद सिंह द्वारा चंदू प्रेस, 63 पटपड़गंज इंडस्ट्रियल एरिया, दिल्ली-92 से मुद्रित तथा अमन पब्लिकेशन राष्ट्र संवाद, 66 गोलमुरी बाजार, जमशेदपुर - 3 से प्रकाशित।
- फोन : **0657-2341060**
- मोबाइल : **09431179542/09334823893/07739802044**